DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

19 September, 2023

सकल प्रत्यक्ष कर संग्रहण

सन्दर्भ: वित्तीय वर्ष 2023-24 (16 सितंबर, 2023 तक) के लिए सकल प्रत्यक्ष कर संग्रहण में पिछले वर्ष की तुलना में 18.29% की वृद्धि हुई है।

- 16 सितंबर, 2023 तक, वित्त वर्ष 2023-24 का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में 23.51% की वृद्धि के साथ 8,65,117 करोड़ रु. रुपये तक पहुंच गया।
- **शुद्ध संग्रह के घटक**: 4,16,217 करोड़ रु. निगम कर (सीआईटी) से 4,47,291 करोड़ रु. रिटर्न के बाद व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) से।
- वित्त वर्ष 2023-24 में अनंतिम सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में 18.29% की वृद्धि के साथ 9,87,061 करोड़ रु. ।
- **सकल संग्रह की संरचना**: 4,71,692 करोड़ रु. निगम कर (सीआईटी) से तथा 5,13,724 करोड़ रु. व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) से ।
- **लघु शीर्षवार संग्रह**: अग्रिम कर (3,55,481 करोड़ रुपये), स्रोत पर कर कटौती (5,19,696 करोड़ रुपये), स्व-मूल्यांकन कर (82,460 करोड़ रुपये), नियमित मूल्यांकन कर (21,175 करोड़ रुपये), और अन्य के तहत कर संग्रह (8,248 करोड़ रुपये)।
- वित्त वर्ष 2023-24 अग्रिम कर संग्रह 20.73% बढ़कर रु. 3,55,481 करोड़ है, जिसमें 2,80,620 करोड़ रु. निगम कर (सीआईटी) से तथा 74,858 करोड़ रु. व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) से हुआ ।

भारत में कराधान

- **प्रत्यक्ष कर:**
  - प्रत्यक्ष कर कॉर्पोरेट संस्थाओं और व्यक्तियों दोनों पर लगाया जाता है।
  - व्यक्तियों के लिए प्रत्यक्ष कर का सबसे प्रमुख प्रकार आयकर है, जो न्यूनतम छूट सीमा से अधिक वार्षिक आय वाले लोगों के लिए अनिवार्य है।
  - आयकर की गणना लागू स्लैब दरों के आधार पर की जाती है, जिसमें आयकर अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत समायोजन और कटौती की अनुमति होती है।
  - अन्य प्रकार के प्रत्यक्ष करों में पूंजीगत लाभ कर शामिल है, जो पूंजीगत संपत्तियों की बिक्री से होने वाले मुनाफे पर लागू होता है, और कॉर्पोरेट कर, जो कंपनियों के रूप में रिटर्न दाखिल करने वाले व्यवसायों और संस्थाओं पर लगाया जाता है।

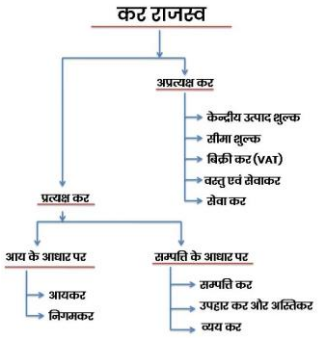

- **अप्रत्यक्ष कर**
  - अप्रत्यक्ष कर खर्चों पर लगाए जाते हैं और आम तौर पर वास्तु और सेवाएं प्रदान करने वाले व्यवसायों द्वारा एकत्र किए जाते हैं।
  - भारत में पिछले अप्रत्यक्ष करों में सेवा कर, भारतीय उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर (वैट), सीमा शुल्क, प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी), स्टांप शुल्क और मनोरंजन कर शामिल थे।
  - वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ने इनमें से कई अप्रत्यक्ष करों का स्थान ले लिया है और यह एक व्यापक कर प्रणाली है जो वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति पर लागू होती है।
  - सीमा शुल्क भारत में आयातित वस्तुओं पर और, कुछ मामलों में, भारत से निर्यात की जाने वाली वस्तुओं पर लागू होता है।
  - प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) वित्तीय प्रतिभूति लेनदेन जैसे इक्विटी, स्टॉक और म्यूचुअल फंड इकाइयों पर लगाया जाता है, मुख्य रूप से प्रतिभूति विनिमय लेनदेन पर।
  - स्टाम्प शुल्क राज्य सरकार द्वारा उनके अधिकार क्षेत्र के भीतर संपत्ति या सुरक्षा हस्तांतरण पर लगाया जाने वाला शुल्क है।
  - मनोरंजन कर एक राज्य-स्तरीय कर है जो फिल्मों, खेल आयोजनों और संगीत कार्यक्रमों सहित मनोरंजन से संबंधित लेनदेन पर लागू होता है।

एक विधायक की अयोग्यता

सन्दर्भ: सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को मुख्यमंत्री शिंदे और कई अन्य विधान सभा सदस्यों (विधायकों) के खिलाफ अयोग्यता की कार्यवाही शुरू करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है।

अयोग्यता का मानदंड

- **संविधान के अनुसार अयोग्यता मानदंड:**
  - यदि वह संघ या राज्य सरकार के तहत लाभ का कोई पद धारण करता है (एक मंत्री या राज्य विधानमंडल द्वारा छूट प्राप्त किसी अन्य कार्यालय को छोड़कर),
  - यदि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ है और अदालत द्वारा घोषित किया गया है,
  - यदि वह अनुन्मोचित दिवालिया है,
  - यदि वह भारत का नागरिक नहीं है या उसने स्वेच्छा से किसी विदेशी राज्य की नागरिकता प्राप्त कर ली है या किसी विदेशी राज्य के प्रति निष्ठा की स्वीकृति के तहत है, और
  - यदि वह संसद द्वारा बनाए गए किसी भी कानून के तहत अयोग्य है।
- **अनुसूची 10 (दल-बदल विरोधी अधिनियम) के अनुसार अयोग्यता मानदंड:**
  - स्वेच्छा से किसी राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ना।
  - किसी के राजनीतिक दल या ऐसा करने के लिए अधिकृत किसी भी व्यक्ति द्वारा पूर्व अनुमति प्राप्त किए बिना जारी किए गए किसी भी निर्देश के विपरीत ऐसे सदन में मतदान करना या मतदान से दूर रहना।
- **जन प्रतिनिधित्व (आरपी) अधिनियम, 1951 के अनुसार अयोग्यता मानदंड:**
  - चुनाव के संबंध में किसी अवैध आचरण हेतु दोषी पाया जाना।
  - किसी भी अपराध के लिए दोषी ठहराया जाना और यदि उसे आरपी अधिनियम, 1951 की धारा 8 (1), (2), और (3) के तहत अलग-अलग अवधि के लिए कारावास की सजा सुनाई गई हो।

लाभ का पद

- **लाभ के पद की अवधारणा:**
  - भारत का संविधान "लाभ का पद" शब्द की सटीक परिभाषा प्रदान नहीं करता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- संविधान के अनुच्छेद 102(1) और 191(1) लाभ के पद की अवधारणा को संबोधित करते हैं और क्रमशः केंद्र और राज्य स्तर पर ऐसे पदों पर रहने वाले कानून निर्माताओं पर प्रतिबंध लगाते हैं।

➢ **लाभ का पद निर्धारित करने के सिद्धांत:**

- **सरकारी नियंत्रण:** एक प्रमुख सिद्धांत में यह आकलन करना शामिल है कि क्या सरकार का- नियुक्ति, निष्कासन और कार्यालय से जुड़े कार्यों पर नियंत्रण है?
- **पारिश्रमिक:** एक अन्य सिद्धांत इस बात पर विचार करता है कि क्या कार्यालय इसके धारक को किसी भी प्रकार का मुआवजा या पारिश्रमिक प्रदान करता है।
- **सरकारी शक्तियां:** मूल्यांकन में यह जांच करना शामिल है कि क्या निकाय या इकाई जिसमें कार्यालय है, के पास सरकारी शक्तियां हैं, जैसे कि धन आवंटित करने, भूमि आवंटित करने, लाइसेंस जारी करने और कुछ अन्य करने का अधिकार।
- **प्रभाव और संरक्षण:** मूल्यांकन यह देखता है कि क्या पद संभालने से व्यक्ति को संरक्षण के माध्यम से निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता मिलती है।

कैशम मेघचंद्र सिंह मामला

- **निर्णय के लिए समय सीमा**: सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि, सामान्य परिस्थितियों में, अध्यक्ष को तीन महीने के भीतर अयोग्यता याचिका पर निर्णय लेना होगा।
- **उचित अवधि**: विधायी निकायों का कार्यकाल और दसवीं अनुसूची का उल्लंघन करने वालों को अयोग्य ठहराने के संवैधानिक उद्देश्य को बनाए रखने की आवश्यकता मानक को देखते हुए पांच वर्ष की समय-सीमा को उचित माना गया।
- **पक्षपातपूर्ण चिंताएँ**: न्यायालय ने वक्ताओं की राजनीतिक संबद्धता के कारण उनके संभावित पक्षपातपूर्ण व्यवहार के बारे में भी उत्पन्न चिंताओं पर ध्यान दिया है।
- **स्वतंत्र तंत्र**: न्यायालय ने अयोग्यता विवादों को संभालने के लिए एक स्वतंत्र तंत्र स्थापित करने के लिए संविधान में संशोधन करने की सिफारिश की, जैसे कि सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्व में एक न्यायाधिकरण की स्थापना की जानी चाहिए।
- **उच्च न्यायालय की समीक्षा**: न्यायालय ने पुष्टि की कि उचित समय के भीतर कार्य करने में अध्यक्ष की विफलता न्यायिक समीक्षा के अधीन है।
- **अयोग्यता का मामला लंबित है**: न्यायालय ने अयोग्यता मामले को संबोधित नहीं किया है, शुरुआत में ही इसे संबोधित करने की जिम्मेदारी लोक सभा स्पीकर को सौंप दी।

होयसल के पवित्र मंदिर समूह

सन्दर्भ: कर्नाटक में होयसल के पवित्र मंदिर समूह को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया है।

➢ 15 अप्रैल 2014 को 'होयसल के पवित्र मंदिर समूह' को यूनेस्को की संभावित सूची में शामिल किया गया था।
➢ ये मंदिर समूह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा प्रबंधित संरक्षित स्मारक हैं, जो उनके संरक्षण और रखरखाव के लिए जिम्मेदार हैं।
➢ इन मंदिरों की स्थापत्य शैली मुख्य रूप से द्रविड़ परंपरा का अनुसरण करती है, लेकिन उत्तरी और पश्चिमी भारत की 'नागर' परंपराओं के तत्वों के साथ-साथ मध्य भारत की 'भूमिजा' शैली का भी एक मजबूत प्रभाव प्रदर्शित करती है।
➢ यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में उनका शामिल होना इन पवित्र मंदिर समूह की असाधारण शिल्प कौशल और ऐतिहासिक महत्व को मान्यता देता है।

यह मंदिर समूह क्या है?

➢ 12वीं-13वीं शताब्दी में निर्मित मंदिर समूह, जिसका प्रतिनिधित्व बेलूर, हलेबिड और सोमनाथपुरा करते हैं।
➢ यह द्रविड़, भूमिजा, नागर और कर्नाटक द्रविड़ शैलियों सहित स्थापत्य शैलियों का मिश्रण प्रदर्शित करता है।
➢ होयसल वास्तुकारों ने विभिन्न मंदिर शैलियों की विशेषताओं को अपनाया, जिसके परिणामस्वरूप एक अद्वितीय होयसल मंदिर का स्वरूप तैयार हुआ।
➢ यह 2014 से यूनेस्को की अस्थायी सूची में सूचीबद्ध है।
➢ **चेन्नाकेशव मंदिर - बेलूर:**

- कर्नाटक में अवस्थित 12वीं सदी का एक हिंदू मंदिर, जिसे राजा विष्णुवर्धन ने बनवाया था।
- यह बेलूर में यगाची नदी के तट पर स्थित है।
- यह मंदिर विष्णु को समर्पित है और विष्णु के जीवन और महाकाव्यों के दृश्यों का वर्णन करने वाली समृद्ध मूर्तिकला वाली बाहरी विशेषताएं प्रदर्शित करता है।

➢ **होयसलेश्वर मंदिर -हलेबिड:**

- यह 12वीं सदी का एक हिंदू मंदिर है,जो शिव को समर्पित है।
- यह अपनी बाहरी दीवारों पर 240 से अधिक दीवार मूर्तियों के लिए जाना जाता है।
- यह होयसल राजा विष्णुवर्धन होयसलेश्वर के शासनकाल के दौरान निर्मित हुआ है।

➢ **केशव मंदिर - सोमनाथपुरा:**

- यह वैष्णव मंदिर कर्नाटक के सोमनाथपुरा में कावेरी नदी के तट पर स्थित है।
- इसे 1258 ई. में होयसल राजा नरसिम्हा तृतीय के सेनापति सोमनाथ दंडनायक द्वारा बनवाया गया था।
- एक उभरे हुए तारे के आकार के मंच पर अवस्थित इस मंदिर में तीन गर्भगृह हैं जो विष्णु के सभी रूपों केशव, जनार्दन और वेणुगोपाल को समर्पित हैं।

होयसल

➢ होयसल कल्याण के चालुक्यों के जागीरदार या सामंत थे।
➢ उनकी राजधानी द्वारसमुद्र थी, जिसे आज हैलेबिडु के नाम से जाना जाता है।
➢ इस राजवंश की स्थापना साला ने की थी, और उसके बाद विनयादित्य और बल्लाल्ला प्रथम जैसे शासकोण ने राज किया।
➢ होयसल राजवंश के सबसे प्रमुख शासकों में से एक विष्णुवर्धन थे, जिन्हें बिट्टी देव के नाम से भी जाना जाता था।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- विष्णुवर्धन ने तलकाडु की लड़ाई में चोलों को हराने के लिए प्रसिद्धि अर्जित की, जिसके कारण उन्हें "तालकाडुगोंडा" की उपाधि मिली।
- इस जीत का जश्न मनाने के लिए, उन्होंने तलकाडु में कीर्तिनारायण मंदिर और बेलुरु में चेन्नाकेशवा मंदिर का निर्माण कराया।
- **धर्म**:
  - होयसल शैव, वैष्णव और जैन धर्म के संरक्षक थे।
  - विष्णुवर्धन ने शुरू में जैन धर्म का पालन किया लेकिन बाद में श्री रामानुजाचार्य के प्रभाव में श्री वैष्णव धर्म में परिवर्तित हो गए और कर्नाटक के मेलुकोटे में बस गए।
- **साहित्य**:
  - होयसल शासन काल में कन्नड़ और संस्कृत साहित्य का विकास हुआ।
  - इस युग की कन्नड़ में कुछ महत्वपूर्ण साहित्यिक कृतियाँ निम्नलिखित हैं:
    - हरिहर।
    - राघवंका, जो "हरिश्चंद्रचरित्र" के लिए जाने जाते हैं।
    - नेमिचंद्र, "लीलावती प्रबंध" के लिए प्रसिद्ध
    - जन्ना

NEWS IN BETWEEN THE LINES

धनुष आर्टिलरी गन्स

हाल ही में भारतीय सेना ने 114 धनुष तोपों का ऑर्डर दिया है।

धनुष आर्टिलरी गन्स के बारे में:

- धनुष एक 155 मिमी, 45-कैलिबर टोड आर्टिलरी गन है।
- यह भारत में पहली स्वदेशी रूप से निर्मित लंबी दूरी की तोप है।
- यह मौजूदा 155 मिमी, 39-कैलिबर बोफोर्स एफएच 77 तोप का अपग्रेड वर्जन है।
- धनुष तोपखाने की तोपों की मानक परिचालन सीमा 36 किलोमीटर है।
- यह सभी मौसम के संचालन के लिए एक उन्नत फायरिंग प्रणाली से लैस है।
- इसमें एक स्व-प्रणोदन इकाई है, जो इसे किसी भी क्षेत्र में तैनात करने की अनुमति देती है, साथ ही इसकी गतिशीलता और परिचालन लचीलेपन को बढ़ाती है।
- धनुष आर्टिलरी गन को एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड द्वारा विकसित और निर्मित किया जाता है, जिसे आयुध निर्माणी बोर्ड (Ordnance Factory Board) के निगमीकरण के बाद स्थापित किया गया था।
- सेना का लक्ष्य 2026 तक सभी 114 धनुष तोपों को सेवा में लाना है।

इंडिया क्लब

इंडिया क्लब के बारे में:

- लंदन के इंडिया क्लब ने 17 सितंबर को अपना परिचालन बंद कर दिया , जिससे उसका दशकों पुराना संचालन समाप्त हो गया।
- यह अपने ऐतिहासिक आंतरिक सज्जा, पुरानी यादों के लिए जाना जाता है।
- इसकी स्थापना 1951 में इंडिया लीग द्वारा की गई थी, इस क्लब का उद्देश्य भारत-ब्रिटिश मित्रता को बढ़ावा देना था।
- इंडिया क्लब ने कई प्रमुख भारतीय राजनेताओं और नेताओं की मेजबानी की, जिनमें डॉ. राजेंद्र प्रसाद और लॉर्ड लुईस माउंटबेटन के साथ-साथ ब्रिटिश व्यक्ति भी शामिल थे, जिनके परिवार के सदस्यों का औपनिवेशिक युग के भारत से संबंध था।
- इसे बंद करने का मूल कारण इसकी वित्तीय चुनौतियों को माना जा रहा है, जिसमें COVID-19 लॉकडाउन का प्रभाव, बढ़ते किराए और जीवन-यापन की सामान्य लागत का संकट शामिल है।
- क्लब के मालिकों ने पहले इमारत के आंशिक विध्वंस को रोकने के लिए 2018 में **"सेव इंडिया क्लब"** सार्वजनिक अपील शुरू की थी, लेकिन अंततः उन्हें दुर्गम चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

प्रलय बैलिस्टिक मिसाइलें

हाल ही में रक्षा मंत्रालय ने प्रलय बैलिस्टिक मिसाइलों की एक रेजिमेंट के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है।

प्रलय बैलिस्टिक मिसाइलों के बारे में:

- प्रलय सतह से सतह पर मार करने वाली कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है जिसे मोबाइल लॉन्चर से लॉन्च करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इसे DRDO (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) द्वारा विकसित किया गया है।
- प्रलय मिसाइलों की परिचालन सीमा 15 0 से 500 किलोमीटर है।
- ये मिसाइलें 350 से 700 किलोग्राम तक पारंपरिक हथियार का पेलोड ले जा सकती हैं।
- पृथ्वी के वायुमंडल से बाहर निकलने वाली अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों (आईसीबीएम) के विपरीत, प्रलय एक छोटी दूरी की मिसाइल है जिसे पृथ्वी के वायुमंडल के भीतर रहने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- बैलिस्टिक प्रकृति होने के बावजूद, प्रलय मिसाइलों में उड़ान के दौरान मार्ग परिवर्तन करने की क्षमता है, जिससे उनके परिचालन लचीलेपन और सटीकता में वृद्धि होती है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

19 September, 2023

हरिकेन ली (Hurricane Lee)

हरिकेन ली के बारे में:

- हरिकेन ली 5 सितंबर, 2023 को मध्य अटलांटिक महासागर में एक उष्णकटिबंधीय निम्न दबाव (tropical depression) के रूप में शुरू हुआ।
- यह 7 सितंबर को 165 मील प्रति घंटे की अधिकतम हवा की गति के साथ तेजी से श्रेणी 5 के तूफान में बदल गया।
- हरिकेन ली 2019 में तूफान डोरियन के बाद अटलांटिक बेसिन में सबसे गंभीर तूफान बन गया, जिसमें 185 मील प्रति घंटे की विनाशकारी हवाएं थीं।
- इसने 16 सितंबर, 2023 को कनाडा में नोवा स्कोटिया और संयुक्त राज्य अमेरिका में मेन को प्रभावित किया।
- हरिकेन ली से प्रभावित कनाडाई प्रांत पहले ही वर्ष में कई प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर चुका है, जिसमें मई में हिंसक जंगल की आग और जुलाई में घातक बाढ़ शामिल है।
- यूनाइटेड स्टेट्स नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) ने 17 सितंबर, 2023 को हरिकेन ली से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए हवाई चित्र एकत्र करना शुरू किया।
- तूफान निगेल नाम का एक और तूफान मध्य अटलांटिक पर बढ़ रहा है और आने वाले दिनों में एक बड़े तूफान में तब्दील होने की संभावना है।

विब्रियो वुल्निफिकस (Vibrio Vulnificus)

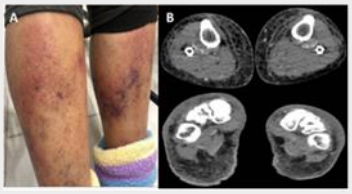

हाल ही में, कैलिफ़ोर्निया की एक 40 वर्षीय महिला ने विब्रियो वुल्निफिकस बैक्टीरिया से दूषित अधपकी तिलापिया मछली खाने के बाद अपने अंग (limbs) खो दिए।

विब्रियो वुल्निफिकस के बारे में:

- विब्रियो वुल्निफिकस एक घातक बैक्टीरिया है जो कच्चे समुद्री भोजन, समुद्री जल, सीप और शंख में पाया जाता है।
- यह मुख्य रूप से कच्चे सीप और शंख जैसे कच्चे या अधपके समुद्री भोजन के सेवन से मनुष्यों को संक्रमित करता है।
- विब्रियो वल्निकस संक्रमण गंभीरता में भिन्न हो सकता है, जिससे कुछ मामलों में हल्के गैस्ट्रोइन टेस्टिनल समस्याएं और गंभीर मामलों में जीवन-घातक सेप्सिस या सेप्टिक शॉक हो सकता है।
- गंभीर मामलों में, इसकी मृत्यु दर उच्च है, लगभग 50% या अधिक मामलों में रक्तप्रवाह या घाव के संक्रमण के माध्यम से फैलने पर मृत्यु हो जाती है।
- कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले, पहले से लीवर, किडनी या हृदय रोग से पीड़ित लोगों में बीमारी के गंभीर रूप विकसित होने का खतरा अधिक होता है।

निवारक उपाय: संक्रमण को रोकने के लिए, व्यक्तियों को सलाह दी जाती है:

- बैक्टीरिया को मारने के लिए समुद्री भोजन को पर्याप्त रूप से पकाएं।
- समुद्री भोजन को पकाने के बाद हाथ अच्छी तरह धोएं।
- यदि उनके हाथ या पैर पर घाव या कट है तो खारे पानी के संपर्क से बचें।

समाचारों में स्थान

बुर्किना फासो

राजधानी: कुआलालंपुर

हाल ही में, मलेशिया को गर्म मौसम की स्थिति के कारण चावल की आपूर्ति में कमी और चावल की कीमतों में वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है।

भौगोलिक स्थान:

- मलेशिया दक्षिण पूर्व एशिया में स्थित है।
- इसकी सीमा उत्तर में थाईलैंड के साथ और समुद्री सीमा सिंगापुर, वियतनाम और इंडोनेशिया के साथ लगती है।
- इसे दो क्षेत्रों में विभाजित किया गया है: प्रायद्वीपीय मलेशिया और पूर्वी मलेशिया (बोर्नियो द्वीप पर)।

भौगोलिक सुविधाएं:

- मलेशिया में वर्षावनों, पहाड़ों और तटीय क्षेत्रों सहित विविध परिदृश्य हैं। उल्लेखनीय भौगोलिक विशेषताओं में तमन नेगारा राष्ट्रीय उद्यान और माउंट किनाबालु शामिल हैं।
- मलेशिया उत्तर में थाईलैंड के साथ अपनी भू- सीमाएँ साझा करता है और सिंगापुर और इंडोनेशिया जैसे पड़ोसी देशों के साथ समुद्री सीमाएँ साझा करता है।
- मलेशिया में कई द्वीप शामिल हैं, जिनमें पेनांग द्वीप सबसे प्रमुख में से एक है।

POINTS TO PONDER

- **भारत ने हाल ही में किस देश के साथ अपना पहला 'निवेश फोरम 2023' आयोजित किया?** - सऊदी अरब
- **किस केंद्रीय मंत्रालय ने 'बांध सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' का आयोजन किया?** - जल शक्ति मंत्रालय
- **अराकू कॉफ़ी, जो G-20 शिखर सम्मेलन में नेताओं को प्रस्तुत किए गए उपहारों में से एक थी, किस राज्य से है?** - आंध्र प्रदेश
- **किस संस्थान ने फेफड़े और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का शीघ्र पता लगाने और उपचार के लिए एक नया दृष्टिकोण विकसित किया है?** - आईआईएससी बेंगलुरु
- **हाल ही में किस कंपनी ने क्लाउड कंप्यूटिंग के साथ अंतरिक्ष-तकनीकी प्रबंधन का समर्थन करने के लिए इसरो और INSPACe के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं?** - अमेज़न वेब सेवाएँ।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com